Drishti IAS

करेंट अफेयर्स

मध्य प्रदेश

मार्च (संग्रह)

2024

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

मध्य प्रदेश **3**

- तेंदुओं की संख्या में वृद्धि 3
- केंद्र सरकार ने मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को स्वीकृति दी 4
- हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज मध्य प्रदेश में निवेश करेगी 4
- अडानी ग्रुप मध्य प्रदेश में 75,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगा 5
- मध्य प्रदेश: क्वीन ऑन द व्हील 5
- मध्य प्रदेश के रतलाम के रियावन लहसुन को जीआई टैग प्राप्त हुआ 6
- मध्य प्रदेश ने एयर एंबुलेंस लॉन्च की 7
- मध्य प्रदेश दो नए हवाई अड्डों के साथ क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा देगा 7
- मध्य प्रदेश में 21वीं पशुधन गणना पर कार्यशाला 9
- दिल्ली ने मध्य प्रदेश की 'लाडली बहना' योजना के समान एक योजना की शुरुआत की 9
- स्टॉकहोम में रोड शो 10
- मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने भोजशाला परिसर के ASI सर्वेक्षण का आदेश दिया 11
- मध्य प्रदेश विमान सेवा शुरू करेगा 12
- मध्य प्रदेश ने केन-बेतवा लिंक परियोजना को स्वीकृति दी 12
- अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने PMJVK योजना के तहत परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की 13
- मध्य प्रदेश के छह विरासत स्थल यूनेस्को की संभावित सूची में शामिल 14
- मध्य प्रदेश में 3,500 'पिंक' बूथ स्थापित होंगे 16
- ASI ने अवशेष खोजने के लिये मध्य प्रदेश में गुप्तकालीन स्थल की खुदाई की 17
- क्षिप्रा में बढ़ते प्रदूषण पर CAG की रिपोर्ट में चिंता जताई गई 18
- मध्य प्रदेश में भारत का पहला SSLNG संयंत्र 18
- न्यायमूर्ति सत्येंद्र कुमार सिंह ने मध्य प्रदेश के नये लोकायुक्त के रूप में शपथ ली 19
- मध्य प्रदेश में पहली बार सहकारी समितियाँ RTI के दायरे में 20

नोट :

मध्य प्रदेश

तेंदुओं की संख्या में वृद्धि

चर्चा में क्यों ?

पर्यावरण मंत्रालय द्वारा सार्वजनिक की गई एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में तेंदुओं की संख्या वर्ष 2018 में 12,852 से 8% बढ़कर वर्ष 2022 में 13,874 हो गई।

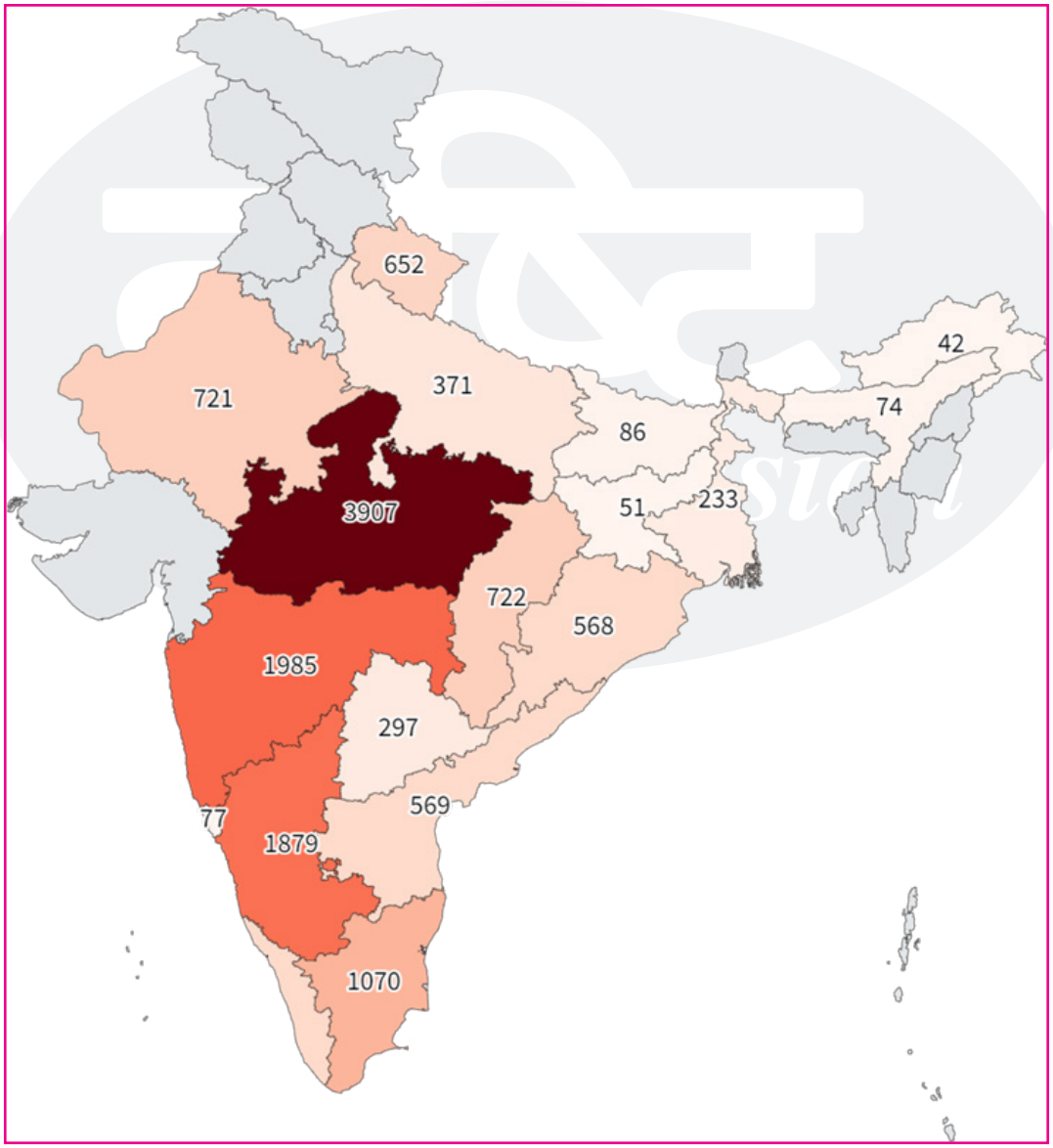

नोट :

मुख्य बिंदु:

- तेंदुओं की सबसे अधिक संख्या मध्य प्रदेश (3,907) में दर्ज की गई, केवल तीन अन्य राज्यों महाराष्ट्र (1,985), कर्नाटक (1,879) और तमिलनाडु (1,070) में 1,000 से अधिक जानवरों की सूचना दी गई।
- अवैध शिकार और मानव-पशु संघर्ष के कारण उत्तराखंड में बड़ी बिल्लियों की संख्या में 22% की गिरावट दर्ज की गई।
  - अरुणाचल प्रदेश, असम और पश्चिम बंगाल में सामूहिक रूप से 150% की वृद्धि के साथ 349 पशु हो गए।
- भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा समन्वित विश्लेषण में शिवालिक पहाड़ियों और गंगा के मैदानों में 3.4% की वार्षिक गिरावट दर्ज की गई, जबकि मध्य भारत एवं पूर्वी घाट, पश्चिमी घाट तथा उत्तर पूर्व की पहाड़ियाँ व ब्रह्मपुत्र बाढ़ के मैदानों में क्रमशः 1.5%, 1% और 1.3% प्रति वर्ष की वृद्धि दर्ज की गई।
- रामनगर वन प्रभाग (उत्तराखंड) में तेंदुओं की संख्या में गिरावट आई है, जहाँ पिछले चार वर्षों में बाघों की संख्या में बहुत तेज़ी से वृद्धि देखी गई है।
  - पूर्वोत्तर राज्यों में तेंदुए की आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि एक "नमूना विरूपण साक्ष्य" के कारण हुई, जो दर्शाता है कि पिछले वर्षों में कुछ व्यवस्थित सर्वेक्षण और कम कैमरे लगाए गए थे।

भारतीय वन्यजीव संस्थान

- भारतीय वन्यजीव संस्थान, केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वतंत्र निकाय है।
- इसका गठन वर्ष 1982 में किया गया था
- यह देहरादून, उत्तराखंड में स्थित है।
- यह वन्यजीव अनुसंधान और प्रबंधन में प्रशिक्षण कार्यक्रम, शैक्षणिक पाठ्यक्रम तथा सलाह प्रदान करता है।

केंद्र सरकार ने मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को स्वीकृति दी

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, नितिन गडकरी ने मध्य प्रदेश में विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के निर्माण तथा सुदृढ़ीकरण के लिये 3549.48 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है।

मुख्य बिंदु:

- मध्य प्रदेश के सीहोर और रायसेन ज़िलों में हाइब्रिड वार्षिकी मोड के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग-146 B (शाहगंज बाईपास से बड़ी पैकेज-IV तक) के 41 किलोमीटर लंबाई वाले खंड को 4-लेन करने के लिये 776.19 करोड़ रुपए के आवंटन की स्वीकृति दी गई है।
- प्रस्तावित परियोजना कोरिडोर जबलपुर, भोपाल, बैतूल और इंदौर शहरों तक पहुँचने के लिये यात्रा के समय को कम करेगा तथा राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) एवं राज्य राजमार्ग (SH) नेटवर्क व अन्य महत्त्वपूर्ण शहर सड़कों से जुड़कर विभिन्न शहरी नोड्स को जोड़ेगा।
- मध्य प्रदेश में हाइब्रिड एंप्युटी मोड के अंतर्गत अयोध्या बायपास के दोनों ओर राष्ट्रीय राजमार्ग-46 पर आशाराम तिराहा से भोपाल में राष्ट्रीय राजमार्ग-146 पर रत्नागिरी तिराहा तक 6-लेन की सर्विस रोड बनाने के लिये 1238.59 करोड़ रुपए के आवंटन की स्वीकृति दी गई है।
- पैकेज-1 के अंतर्गत 1534.70 करोड़ रुपए की लागत से हाइब्रिड एन्यूटी मोड के तहत 34 किमी लंबे चासले 6 लेन इंदौर वेस्टर्न बायपास के निर्माण को स्वीकृति दी गई है।

हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज मध्य प्रदेश में निवेश करेगी

चर्चा में क्यों ?

भारत में कोका-कोला की बॉटलिंग शाखा, हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज (HCCB) ने मध्य प्रदेश में अपने राजगढ़ संयंत्र में दो विनिर्माण लाइनें स्थापित करने के लिये 350 करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा की है।

नोट :

मुख्य बिंदु:

- यह घोषणा उज्जैन में क्षेत्रीय उद्योग सम्मेलन के दौरान की गई थी।
- पूंजी के हालिया निवेश से राजगढ़ में HCCB के कारखाने में 2 नई, अत्याधुनिक विनिर्माण लाइनें शुरू होंगी, जो किफायती छोटे स्पार्कलिंग पैक (ASSP) और टेट्रा पैक जूस का उत्पादन करेंगी।
- HCCB पहले ही मध्य प्रदेश में अपने राजगढ़ संयंत्र में वर्ष 2000 से 311 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश कर चुका है।
  - कंपनी पूरे भारत में फैली 13 फैक्ट्रियों का संचालन करती है, जहाँ यह 8 श्रेणियों मं् 37 विभिन्न उत्पादों का निर्माण और बिक्री करती है।

अडानी ग्रुप मध्य प्रदेश में 75,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगा

चर्चा में क्यों ?

उज्जैन में क्षेत्रीय उद्योग सम्मेलन के दौरान, अडानी ग्रुप ने मध्य प्रदेश में 75,000 करोड़ रुपए के बड़े निवेश की घोषणा की है, जो राज्य के लिये अपनी वित्तीय प्रतिबद्धता के महत्त्वपूर्ण विस्तार का संकेत है।

मुख्य बिंदु:

- अडानी ग्रुप चोरगाडी में 4 मिलियन टन प्रति वर्ष की क्लिंकर इकाई की स्थापना के लिये अतिरिक्त 5,000 करोड़ रुपए निर्धारित कर रहा है।
- ग्रुप की योजना देवास और भोपाल में दो सीमेंट ग्राइंडिंग इकाइयाँ स्थापित करने की है, जिनकी कुल क्षमता 5,000 करोड़ रुपए के निवेश से 8 मिलियन टन प्रति वर्ष होगी।
- ग्रुप ईंधन वितरण में 2,100 करोड़ रुपए से अधिक के बड़े निवेश की भी योजना बना रहा है।
- यह निवेश मुख्य रूप से पाँच भौगोलिक क्षेत्रों, भिंड, बुरहानपुर, अनुपपुर, टीकमगढ़ और अलीराजपुर में सिटी गैस वितरण नेटवर्क को मज़बूत करने पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसमें सिटी गैस वितरण (CGD), तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG), इलेक्ट्रॉनिक वाहन (EV) शामिल होंगे।
- सिंगरौली में अपने महान एनर्जी प्लांट में 30,000 करोड़ रुपए की लागत से विद्युत उत्पादन क्षमता भी बढ़ाई जाएगी, जिससे यह मौजूदा 1,200 मेगावाट से बढ़कर प्रभावशाली 4,400 मेगावाट हो जाएगी।

क्षेत्रीय उद्योग सम्मेलन

- यह दो दिवसीय निवेशक शिखर सम्मेलन था, जो मध्य प्रदेश के उज्जैन में शुरू हुआ, जिसमें भोपाल, उज्जैन और इंदौर जैसे 20 ज़िले शामिल थे।
- कुल 56 परियोजनाओं में 74,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश आने की उम्मीद है, जिसमें 17,000 से अधिक व्यक्तियों के लिये रोज़गार सृजन करने की क्षमता है।
- उद्योग सम्मेलन के दौरान 35 भाग लेने वाली कंपनियों ने सामूहिक रूप से 74,711 करोड़ रुपए की निवेश परियोजनाओं का प्रस्ताव दिया है।

मध्य प्रदेश: क्वीन ऑन द व्हील

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड ने राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने और महिला यात्रियों को सशक्त बनाने के लिये 'क्वीन ऑन द व्हील' महिला बाइकिंग टूर को हरी झंडी दिखाई।

- महिला बाइकिंग यात्रा का समापन अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) के अवसर पर होगा।

नोट :

मुख्य बिंदु:

- प्रतिभागी: नागपुर में रहने वाली एक ब्राज़ीलियाई राइडर सहित पूरे भारत से कुल 25 महिला बाइकर्स इस दौरे में भाग ले रही हैं।
- उद्देश्य: इस दौरे का उद्देश्य मध्य प्रदेश को महिला यात्रियों के लिये एक सुरक्षित और सशक्त गंतव्य के रूप में स्थापित करना, महिला सशक्तीकरण तथा साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देना है।
- यात्रा कार्यक्रम: बाइकर्स चंदेरी, श्योपुर ज़िले के कूनो राष्ट्रीय उद्यान, ग्वालियर, ओरछा और खजुराहो का दौरा करेंगे तथा इन स्थानों की सुंदरता व संस्कृति का अनुभव करेंगे।
- सुरक्षा सावधानियाँ: पूरी सुरक्षा सावधानियाँ बरती गई हैं, जिसमें राइडर्स के साथ आने वाले मैकेनिकों के साथ एम्बुलेंस और सहायक वाहन भी शामिल हैं। सभी प्रतिभागियों के लिये बीमा प्रदान किया गया है और आपात स्थिति में सहायता के लिये मार्ग की पूरी तरह से जाँच की गई है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

- महिला दिवस पहली बार वर्ष 1911 में क्लारा ज़ेटकिन द्वारा मनाया गया था, जो एक जर्मन महिला थीं। इस उत्सव की शुरुआत पूरे यूरोप और उत्तरी अमेरिका में श्रमिक आंदोलन के दौरान हुई थी।
- हालाँकि पहली बार वर्ष 1913 में यह समारोह 8 मार्च को मनाया गया था और तब से इसी दिन मनाया जाता है।
- वर्ष 1975 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा पहली बार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया।अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पहली बार संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1975 में मनाया गया था।

मध्य प्रदेश के रतलाम के रियावन लहसुन को जीआई टैग प्राप्त हुआ

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में रतलाम ज़िले की जावरा तहसील के रियावन गाँव के स्वादिष्ट लहसुन को भौगोलिक संकेत (GI) टैग से सम्मानित किया गया है।

मुख्य बिंदु:

- रियावन लहसुन के लिये जीआई पंजीकरण प्रक्रिया जनवरी 2022 में चेन्नई में किसान उत्पादक संगठन (FPO) रियावान फार्म फ्रेश प्रोड्यूसर कंपनी द्वारा शुरू की गई थी।
- रियावान लहसुन अपनी अनूठी गुणवत्ता और उच्च उपज के लिये प्रसिद्ध है, जिसके प्रत्येक बल्ब में पाँच से छह कलियाँ होती हैं। अपने तीखे स्वाद के लिये जानी जाने वाली लहसुन की इस किस्म में अन्य की तुलना में तेल की मात्रा भी अधिक होती है।
  - GI टैग अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में नए अवसर खोलता है, जो रतलाम के लहसुन को ज़िला उत्पाद के रूप में बढ़ावा देने के राज्य सरकार के प्रयासों का पूरक है।
  - लहसुन की किस्म रियावान सिल्वर गार्लिक के नाम से देश में पहले से ही काफी मांग में है।
  - पिपलौदा तहसील के रियावन गाँव में दो दशकों से पारंपरिक तरीकों से लहसुन की खेती की जा रही है.
- सफेद पर्दे, कली के आकार और औषधीय मूल्य जैसे अद्वितीय गुणों के कारण, रियावान ने बीज विकास के लिये अग्रणी गाँव के रूप में ख्याति अर्जित की है। इसकी उच्च भंडारण क्षमता दीर्घकालिक संरक्षण की अनुमति देती है।

भौगोलिक संकेतक (GI) टैग

- भौगोलिक संकेत (GI) टैग, एक ऐसा नाम या चिह्न है जिसका उपयोग उन विशेष उत्पादों पर किया जाता है जो किसी विशिष्ट भौगोलिक स्थान या मूल से संबंधित होते हैं।
- GI टैग यह सुनिश्चित करता है कि केवल अधिकृत उपयोगकर्त्ताओं या भौगोलिक क्षेत्र में रहने वाले लोगों को ही लोकप्रिय उत्पाद के नाम का उपयोग करने की अनुमति है।
  - यह उत्पाद को दूसरों द्वारा नकल या अनुकरण किये जाने से भी बचाता है।

नोट :

- एक पंजीकृत GI टैग 10 वर्षों के लिये वैध होता है।
- GI पंजीकरण की देखरेख वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय के अधीन उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा की जाती है।
- विधिक ढाँचा तथा दायित्व:
- वस्तुओं का भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 भारत में वस्तुओं से संबंधित भौगोलिक संकेतकों के पंजीकरण तथा बेहतर संरक्षण प्रदान करने का प्रयास करता है।
- यह बौद्धिक संपदा अधिकार के व्यापार-संबंधित पहलुओं (TRIPS) पर WTO समझौते द्वारा विनियमित एवं निर्देशित है।
  - इसके अतिरिक्त बौद्धिक संपदा के अभिन्न घटकों के रूप में औद्योगिक संपत्ति और भौगोलिक संकेतों की सुरक्षा के महत्त्व को पेरिस कन्वेंशन के अनुच्छेद 1(2) एवं 10 में स्वीकार किया गया, साथ ही इस पर अधिक बल दिया गया है।

मध्य प्रदेश ने एयर एंबुलेंस लॉन्च की

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश सरकार ने एक नई मिश्रित विमान एयर एंबुलेंस सेवा का उद्घाटन किया है, जिसे पीएम श्री एयर एंबुलेंस सेवा के नाम से जाना जाता है।

मुख्य बिंदु:

- पीएम श्री एयर एंबुलेंस सेवा का उद्देश्य राज्य के निवासियों के लिये हेलीकॉप्टर और फिक्स्ड-विंग एयर एंबुलेंस दोनों का संचालन करते हुए चिकित्सा सेवाओं तक पहुँच प्रदान करना है।
- इस सेवा का उद्घाटन मुख्यमंत्री ने उज्जैन क्षेत्रीय उद्योग सम्मेलन में किया था।
- यह सेवा विशेष रूप से ग्रामीण या गरीब क्षेत्रों के लोगों के लिये उन्नत चिकित्सा देखभाल तक बेहतर पहुँच प्रदान करेगी और स्वास्थ्य सुविधाओं तक परिवहन के समय को काफी कम कर देगी।

मध्य प्रदेश दो नए हवाई अड्डों के साथ क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा देगा

चर्चा में क्यों ?

नागरिक उड्डयन मंत्रालय (MoCA) ने UDAN (उड़े देश का आम नागरिक) योजना के तहत मध्य प्रदेश में गुना और शिवपुरी हवाई अड्डों को विकसित करने की योजना की घोषणा की है।

मुख्य बिंदु:

- इस पहल का उद्देश्य क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी में सुधार करना और इन क्षेत्रों के निवासियों के लिये हवाई यात्रा को अधिक सुलभ बनाना है।
- राज्य सरकार के स्वामित्व वाले गुना हवाई अड्डे को उड़ान 5.2 योजना के तहत विकास के लिये पहचाना गया था। MoCA ने इसके विकास के लिये 45 करोड़ रुपए आवंटित किये हैं।
- शिवपुरी हवाई अड्डा, जो शिवपुरी जिले में स्थित है और राज्य सरकार के स्वामित्व में है, को UDAN 5.2 के तहत विकसित किया जाएगा। यह हवाई अड्डा 9 सीटों वाले विमानों के संचालन के लिये नामित है।
  - नई स्टार्टअप एयरलाइन स्पिरिट एयर ने शिवपुरी-भोपाल रूट के लिये बोली लगाई है।
- भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) संचार, नेविगेशन, निगरानी CNS)/हवाई यातायात प्रबंधन (ATM) और वैमानिकी सूचना सेवाएँ (AIS) प्रदान करते हुए एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह दोनों हवाई अड्डों के संचालन और रखरखाव (O&M) का प्रबंधन करेगा।

उड़ान योजना

- उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) योजना को वर्ष 2016 में नागरिक उड्डयन मंत्रालय के तहत एक क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (RCS) के रूप में शुरू किया गया था।

नोट :

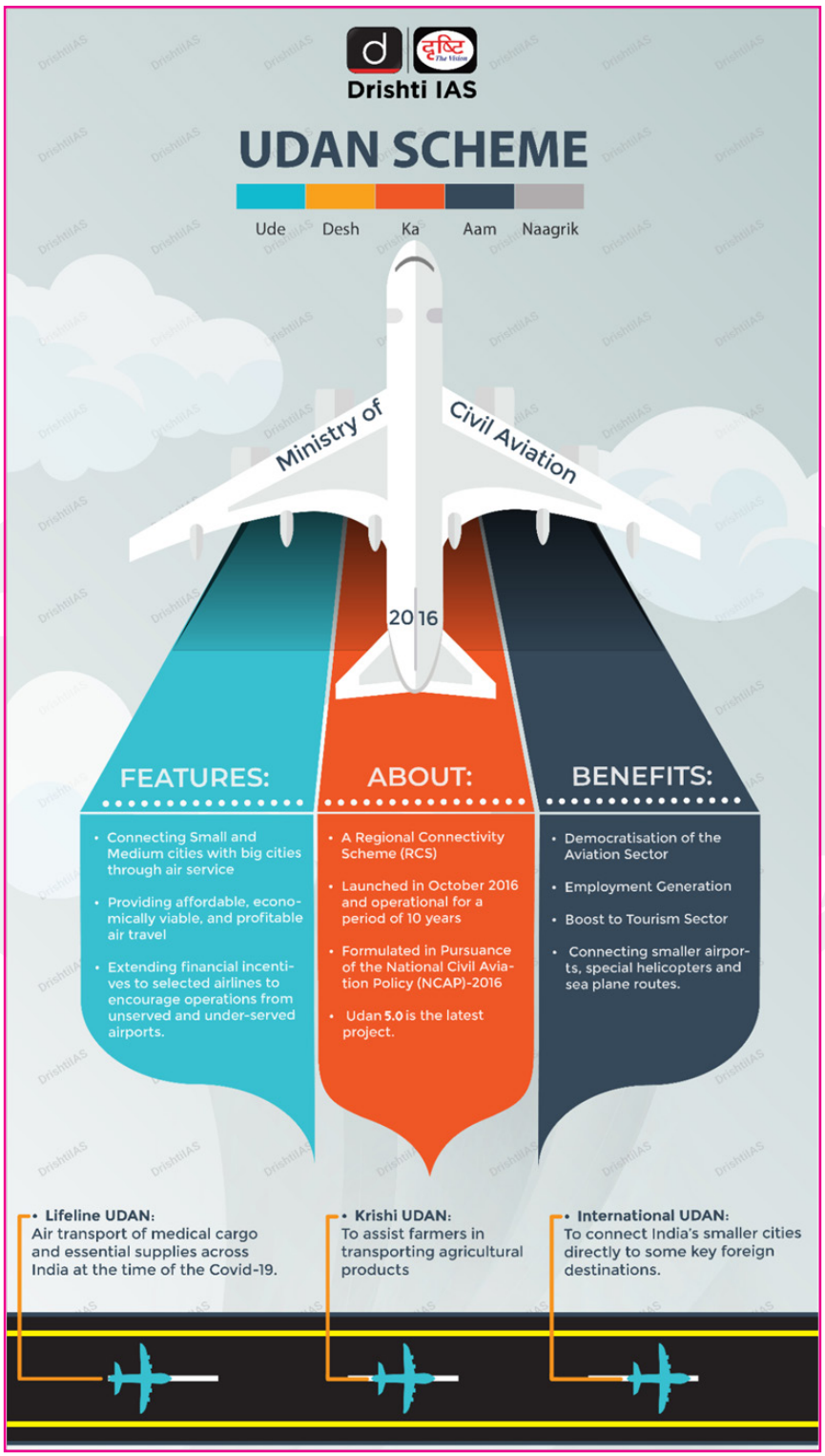

- इसे राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति (एनसीएपी)-2016 की समीक्षा के आधार पर तैयार किया गया था और इसे 10 वर्षों की अवधि के लिये लागू रखने की योजना थी।

नोट :

- इस योजना के तहत आरसीएफ बनाया गया था, जो कुछ घरेलू उड़ानों पर लेवी के माध्यम से योजना की वीजीएफ आवश्यकताओं को पूरा करता है।
  - VGF का अर्थ है एकमुश्त या आस्थगित अनुदान, जो कि आर्थिक रूप से उचित लेकिन वित्तीय व्यवहार्यता से कम होने वाली बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं का समर्थन करने के लिये प्रदान किया जाता है।
- योजना के चरण:
- चरण 1 को वर्ष 2017 में लॉन्च किया गया था, जिसका उद्देश्य देश में अनुपयोगी और असेवित हवाईअड्डे को शुरू करना था।
- चरण 2 को वर्ष 2018 में लॉन्च किया गया था, जिसका उद्देश्य देश के अधिक दूरस्थ और दुर्गम हिस्सों में हवाई संपर्क का विस्तार करना था।
- चरण 3 को नवंबर 2018 में लॉन्च किया गया था, जिसमें देश के पहाड़ी और दूरदराज़ के क्षेत्रों में हवाई संपर्क बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया था।
- उड़ान योजना का चरण 4 दिसंबर 2019 में शुरू किया गया था, जिसमें द्वीपों और देश के अन्य दूरस्थ क्षेत्रों को जोड़ने पर ध्यान केंद्रित किया गया था।
- उड़ान योजना का चरण 5 वर्ष 2023 में शुरू किया गया था, जिसमें हवाई कनेक्टिविटी बढ़ाने, हवाई किराए कम करने, अधिक नौकरियाँ उत्पन्न करने, पर्यटन, व्यापार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने एवं अंतिम मील कनेक्टिविटी हासिल करने पर ध्यान केंद्रित किया गया था।
- UDAN 5.2 श्रेणी 1A (<9 सीटें) और श्रेणी 1 (<20 सीटें) जैसे छोटे विमानों के माध्यम से अंतिम मील कनेक्टिविटी प्राप्त करने पर केंद्रित है।

मध्य प्रदेश में 21वीं पशुधन गणना पर कार्यशाला

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने इंदौर, मध्य प्रदेश में '21वीं पशुधन जनगणना में पशुपालकों तथा उनके पशुधन की गिनती' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

मुख्य बिंदु:

- इस कार्यशाला का आयोजन पशुचारण की प्रथा, उनके आवास, विभिन्न क्षेत्रों में मार्गों आदि पर बेहतर विचार करने और पशुपालक की समावेशी परिभाषा, एकत्र किये जाने वाले डेटा एकत्र करने की पद्धति जैसे विभिन्न मुद्दों पर आम सहमति बनाने के लिये किया गया था।
  - विभाग वर्ष 1919 से प्रत्येक 5 वर्ष में देश भर में पशुधन जनगणना करता है। 21वीं पशुधन जनगणना वर्ष 2024 में होने वाली है।
- पशुधन गणना इस क्षेत्र में और सुधार लाने के लिये पशुधन कल्याण कार्यक्रम की उचित योजना तथा निर्माण के लिये डेटा का मुख्य स्रोत है।
- इसमें सभी घरेलू पशुओं और इन पशुओं की कुल संख्या को शामिल किया गया है, जिसमें घरों, घरेलू उद्यमों/गैर-घरेलू उद्यमों में मौजूद जानवरों/पोल्ट्री पक्षियों की विभिन्न प्रजातियाँ शामिल हैं, जो उनकी उम्र, लिंग के साथ नस्ल के अनुसार हैं।

नोट:

राष्ट्रीय पशुधन मिशन (NLM) योजना को वर्ष 2021-22 से वर्ष 2025-26 के लिये पुनर्गठित किया गया है। यह योजना उद्यमिता विकास और मुर्गीपालन, भेड़, बकरी तथा सुअर पालन में नस्ल सुधार पर केंद्रित है, जिसमें चारे का विकास भी शामिल है।

दिल्ली ने मध्य प्रदेश की 'लाडली बहना' योजना के समान एक योजना की शुरुआत की

चर्चा में क्यों ?

दिल्ली सरकार ने मुख्यमंत्री सम्मान योजना के तहत राष्ट्रीय राजधानी में 18 वर्ष से अधिक उम्र की सभी महिलाओं को 1,000 रुपए प्रति माह देने की घोषणा की है।

नोट :

मुख्य बिंदु:

- नई पहल मध्य प्रदेश की लाडली बहना योजना के समान है।
- इसे मार्च 2023 में तत्कालीन शिवराज सिंह चौहान सरकार द्वारा लॉन्च किया गया था, जिसके तहत निम्न और मध्यम वर्ग के घरों की महिलाओं को उनके खातों में 1,000 रुपए का मासिक हस्तांतरण किया जाता है।

लाडली बहना योजना

- यह योजना मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 8 मार्च 2023 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में शुरू की गई थी।
- योजना को शुरू करने का मुख्य उद्देश्य राज्य की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है।
- राज्य की सभी महिलाएँ, जाति और धर्म की परवाह किये बिना, इस योजना का लाभ उठाने के लिये पात्र होंगी।
- पात्र महिलाओं को प्रति माह 1,000/- रुपए की वित्तीय सहायता दी जाएगी।

स्टॉकहोम में रोड शो

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड ने स्टॉकहोम, स्वीडन में यात्रा व्यापार उद्योग के लिये तैयार अपने आगामी रोड शो कार्यक्रम की घोषणा की।

मुख्य बिंदु:

- यह विशेष रोड शो यात्रा पेशेवरों, मीडिया, ब्लॉगर्स और प्रभावशाली लोगों के लिये मध्य प्रदेश, भारत के विविध पर्यटन परिदृश्य में जाने तथा स्थानीय पर्यटन अधिकारियों के साथ पारस्परिक रूप से लाभप्रद साझेदारी बनाने का एक असाधारण अवसर प्रस्तुत करता है।
- इस रोड शो के माध्यम से, मध्य प्रदेश पर्यटन का लक्ष्य है:
  - संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन' विश्व धरोहर स्थलों सहित राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों को उजागर करें, जिनमें खजुराहो स्मारक समूह, सांची स्तूप तथा भीमबेटका रॉक शेल्टर, राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य, ऐतिहासिक स्थल और जीवंत सांस्कृतिक त्योहार शामिल हैं।
  - राज्य की प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिये मध्य प्रदेश पर्यटन द्वारा किये गए स्थायी पर्यटन प्रथाओं और संरक्षण प्रयासों को प्रदर्शित करना।
  - दोनों क्षेत्रों के बीच पर्यटन आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिये मध्य प्रदेश पर्यटन और स्वीडिश ट्रैवल एजेंसियों, टूर ऑपरेटरों, मीडिया तथा प्रभावशाली लोगों के बीच साझेदारी व सहयोग को बढ़ावा देना।
  - मध्य प्रदेश में उपलब्ध अद्वितीय यात्रा अनुभवों और अवसरों, जैसे वन्यजीव सफारी, सांस्कृतिक विसर्जन, साहसिक पर्यटन तथा पर्यावरण-पर्यटन पहल के बारे में जानकारी प्रदान करना।

मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड (MPTB)

- इसकी स्थापना वर्ष 2017 में मध्य प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।
- बोर्ड का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक, निजी भागीदारी के साथ स्थायी तरीके से पर्यटन का विकास, निवेशकों को सुविधा, कौशल-विकास, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन स्थलों का प्रचार/प्रसार, पर्यटन बुनियादी ढाँचे की पहचान तथा विकास करना है।

खजुराहो समूह के स्मारक (1986)

- इन मंदिरों का निर्माण चंदेल राजवंश के दौरान किया गया था, जो 950 और 1050 के बीच अपने चरम पर था।
- केवल 20 मंदिर बचे हैं, जो दो अलग-अलग धर्मों - हिंदू धर्म और जैन धर्म से संबंधित हैं, जिनमें जटिल तथा सुंदर नक्काशीदार मूर्तियों से सजाए गए प्रसिद्ध कंदारिया मंदिर भी शामिल है।

भीमबेटका रॉक शेल्टर (2003)

- ये शेल्टर मध्य भारतीय पठार के दक्षिणी किनारे पर, विंध्य पर्वतमाला की तलहटी में स्थित हैं।

नोट :

- प्राकृतिक रॉक शेल्टर के पाँच समूहों के रूप में खोजे गए, जिनमें मेसोलिथिक और उसके बाद के अन्य कालखंडों की पेंटिंग प्रदर्शित हैं।
- आसपास के क्षेत्रों के निवासियों की सांस्कृतिक परंपराएँ चित्रों में प्रदर्शित परंपराओं के समान हैं।

सांची में बौद्ध स्मारक (1989)

- यह अस्तित्व में सबसे पुराना बौद्ध अभयारण्य है और 12वीं शताब्दी तक भारत में एक प्रमुख बौद्ध केंद्र था।
- सांची की साइट में विभिन्न संरक्षित राज्यों में बौद्ध स्मारकों (अखंड स्तंभ, महल, मंदिर और मठ) का एक समूह शामिल है, जिनमें से अधिकांश दूसरी और पहली शताब्दी ईसा पूर्व के हैं।

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने भोजशाला परिसर के ASI सर्वेक्षण का आदेश दिया

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षणको धार ज़िले में स्थित भोजशाला मंदिर-कमल मौला मस्जिद परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया।

मुख्य बिंदु:

- यह स्थल ASI-संरक्षित 11वीं सदी का स्मारक है। ASI के साथ एक समझौते के तहत मंदिर में हर मंगलवार को हिंदुओं द्वारा पूजा की जाती है और हर शुक्रवार को नमाज़ अदा की जाती है।
- न्यायालय ने फैसला सुनाया या निर्णय दिया कि केंद्र सरकार के रखरखाव के तहत संपूर्ण स्मारक के वास्तविक सार और पहचान को स्पष्ट करने या प्रकट करने की आवश्यकता है।
- न्यायालय ने निष्कर्ष निकाला कि स्मारक अधिनियम, 1958 की धारा 16 के तहत जल्द-से-जल्द साइट का वैज्ञानिक सर्वेक्षण करना ASI का संवैधानिक और वैधानिक दायित्व है।
  - पूरे परिसर के बंद/सील कमरों, हॉलों को खोला जाए और प्रत्येक कलाकृति, मूर्ति, देवता या किसी भी संरचना की पूरी सूची तैयार हो तथा संबंधित तस्वीरों के साथ इसे जमा किया जाए। ऐसी कलाकृतियों, मूर्तियों, संरचनाओं को वैज्ञानिक जाँच, कार्बन डेटिंग तथा सर्वेक्षण के समान अभ्यास के अधीन किया जाना चाहिये। इसे न्यायालय के समक्ष दायर की जाने वाली रिपोर्ट में अलग से शामिल किया जाना चाहिये।
- धार के इस पुरातात्त्विक स्थल में प्राचीन शिलालेख भी हैं, जिन्होंने औपनिवेशिक भारतविदों, इतिहासकारों और प्रशासकों का प्रारंभिक ध्यान आकर्षित किया था।
- जॉन मैल्कम ने वर्ष 1822 में राजा भोज द्वारा योजनाबद्ध और पूर्ण किये गए बाँधों जैसी निर्माण परियोजनाओं के साथ धार का उल्लेख किया।
- इससे पहले सितंबर 2023 में, गार्डों को कथित तौर पर देवी वाग्देवी की एक मूर्ति मिली थी। हालाँकि प्रशासन ने मूर्तियों के 'दिखाई देने'
- दावे का खंडन किया था और इसे हटा दिया था।

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI)

- संस्कृति मंत्रालय के तहत ASI देश की सांस्कृतिक विरासत के पुरातात्त्विक अनुसंधान और संरक्षण के लिये प्रमुख संगठन है।
- यह 3,650 से अधिक प्राचीन स्मारकों, पुरातात्त्विक स्थलों और राष्ट्रीय महत्त्व के अवशेषों का प्रबंधन करता है।
- इसकी गतिविधियों में पुरातात्त्विक अवशेषों का सर्वेक्षण करना, पुरातात्त्विक स्थलों की खोज और उत्खनन, संरक्षित स्मारकों का संरक्षण तथा रखरखाव आदि शामिल हैं।
- इसकी स्थापना वर्ष 1861 में ASI के पहले महानिदेशक अलेक्जेंडर कनिंघम द्वारा की गई थी। अलेक्जेंडर कनिंघम को "भारतीय पुरातत्त्व का जनक" भी कहा जाता है।

भोजशाला परिसर

- भोजशाला का शाब्दिक अर्थ संस्कृत से 'राजा भोज का हॉल' है, जो मध्य प्रदेश के धार में स्थित एक ऐतिहासिक मंदिर है।
- राजा भोज मध्य भारत के परमार राजवंश से थे और शिक्षा एवं कला के संरक्षक के रूप में प्रसिद्ध थे, जिनके लिये काव्य, योग व वास्तुकला पर प्रमुख संस्कृत कार्यों का श्रेय दिया जाता है।

नोट :

- 11वीं सदी का भोजशाला एक ASI-संरक्षित स्मारक है। हिंदुओं का मानना है कि यह देवी वाग्देवी (सरस्वती) का मंदिर है लेकिन मुस्लिम पक्ष इस पर विवाद करता है और दावा करता है कि यह कमल मौला मस्जिद है।

नोट: प्राचीन स्मारक और पुरातात्विक स्थल तथा अवशेष (AMASR) अधिनियम, 1958, प्राचीन तथा ऐतिहासिक स्मारकों, पुरातात्त्विक स्थलों व राष्ट्रीय महत्त्व के अवशेषों के संरक्षण का प्रावधान करता है।

मध्य प्रदेश विमान सेवा शुरू करेगा

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश सरकार राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये दो जुड़वाँ इंजन वाले विमान प्रस्तुत करके हवाई सेवा शुरू करेगी।

मुख्य बिंदु:

- पर्यटन के लिये इन दो हवाई सेवाओं के नाम 'पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा' और 'धार्मिक पर्यटन हेली सेवा' होंगे।
- इन सेवाओं के तहत दो आठ सीटों वाले दो इंजन वाले विमान प्रस्तुत किये जायेंगे।
- ऑपरेटर राज्य के अन्य हवाई पट्टियों के अलावा इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर और खजुराहो जैसे मुख्य हवाई अड्डों से मार्ग का चयन करेगा।

मध्य प्रदेश ने केन-बेतवा लिंक परियोजना को स्वीकृति दी

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश कैबिनेट ने पवित्र शहर के विकास के लिये चित्रकोट विकास की स्थापना को स्वीकृति दे दी और 24,293 करोड़ रुपए की केन-बेतवा लिंक परियोजना को स्वीकृति दे दी।

मुख्य बिंदु:

- अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद चित्रकूट में भी श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। भगवान राम ने वनवास के 11 वर्ष चित्रकूट में बिताए थे।
  - प्रदेश कैबिनेट ने चित्रकूट विकास प्राधिकरण के लिये 20 करोड़ रुपए की स्वीकृति दे दी है।
- केन-बेतवा परियोजना से तीन राज्यों- उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान को लाभ होगा।
  - यह परियोजना छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, पन्ना, दमोह, सागर, दतिया और विदिशा, शिवपुरी, रायसेन के सूखा प्रभावित क्षेत्रों की अतिरिक्त 6,57,364 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई के दायरे में लाएगी।
  - 44 लाख की आबादी तक पेयजल सुविधा पहुँचायी जा सकेगी।
- कैबिनेट ने मुख्यमंत्री सोलर पंप योजना के विस्तार को भी स्वीकृति दे दी, जिसे अब "प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना" के रूप में लागू किया जाएगा।
- यह योजना केंद्र सरकार की कुसुम 'B' योजना के तहत जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार मध्य प्रदेश विद्युत विकास निगम द्वारा क्रियान्वित की जाएगी।

प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षाम् उत्थान महाभियान योजना (PM-KUSUM)

- इसे मार्च 2019 में नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) द्वारा किसानों को खेती के लिये सौर सिंचाई पंप स्थापित करने हेतु सब्सिडी देने के लिये लॉन्च किया गया था।
  - प्रत्येक किसान को ट्यूबवेल और पंप सेट स्थापित करने के लिये 60% सब्सिडी मिलेगी।
  - उन्हें कुल लागत का 30% सरकार से ऋण के रूप में भी मिलेगा।
- पीएम-कुसुम योजना का प्राथमिक उद्देश्य हमारे किसानों को अत्याधुनिक तकनीक उपलब्ध कराना और कृषि क्षेत्र को डीज़ल रहित सिंचाई के स्रोत उपलब्ध कराना है।

नोट :

- इस योजना के मुख्य उद्देश्य हैं:
  - सौर पंप हमारे किसानों को अधिक प्रभावी और पर्यावरण-अनुकूल सिंचाई में सहायता करते हैं क्योंकि ये सुरक्षित ऊर्जा उत्पन्न करने में सक्षम हैं।
  - इसके अलावा, पंप सेट में एक ऊर्जा पावर ग्रिड शामिल होता है जो डीज़ल चालित पंपों की तुलना में अधिक ऊर्जा उत्पन्न करता है।
  - किसान अपनी आय बढ़ाने के लिये अतिरिक्त विद्युत सीधे हमारी सरकार को बेच सकेंगे।
- कुसुम में 3 घटक शामिल हैं जिनकी अलग-अलग विशेषताएँ हैं:
  - घटक A: कुल 10GV ग्रिड-कनेक्टेड स्टिल्ट-माउंटेड विकेन्द्रीकृत सौर संयंत्र और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा-आधारित विद्युत संयंत्र स्थापित करना। प्रत्येक संयंत्र का आकार 500 किलोवाट से 2MV तक है।
  - घटक B: 7.5 HP तक व्यक्तिगत क्षमता और 17.50 लाख मूल्य के स्टैंड-अलोन सौर पंप स्थापित करना।
  - घटक C: प्रत्येक 7.5 HP क्षमता के सोलारिस 10 लाख ग्रिड से जुड़े कृषि पंपों को वित्तीय सहायता प्रदान करना।

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने PMJVK योजना के तहत परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (PMJVK) योजना के तहत देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (DAVV), इंदौर परिसर में जैन अध्ययन केंद्र की स्थापना के लिये 25 करोड़ रुपए की कुल अनुमानित लागत वाली परियोजनाओं को मंज़ूरी दी है।

मुख्य बिंदु:

इन परियोजनाओं को जैन दर्शन के विकास से संबंधित ढाँचागत विकास को मज़बूत करने, अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने, अंत:विषय अनुसंधान को बढ़ावा देने, पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण के माध्यम से भाषा के संरक्षण, हब स्थापना के माध्यम से सामुदायिक आउटरीच को मंज़ूरी दी गई थी।

- विश्वविद्यालय द्वारा परियोजना जैन विरासत के संरक्षण, प्रचार, जैन धर्म तथा उसके सिद्धांतों एवं प्रथाओं की वैश्विक समझ को बढ़ाने और सामुदायिक जुड़ाव के लिये समर्थन विकसित करने हेतु शुरू की जाएगी।

प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (PMJVK योजना)

- केंद्र सरकार ने बहु-क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम (MsDP) का नाम बदलकर प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (PMJVK) कर दिया है।
- कार्यक्रम का उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदायों के लिये स्कूल, कॉलेज, पॉलिटेक्निक, गर्ल्स हॉस्टल, ITI, कौशल विकास केंद्र आदि जैसी सामाजिक-आर्थिक और बुनियादी सुविधाएँ विकसित करना है।

जैन धर्म

- यह छठी शताब्दी ईसा पूर्व में प्रमुखता से उभरा, जब भगवान महावीर ने इस धर्म का प्रचार किया।
- 24 महान शिक्षक थे, जिनमें से अंतिम भगवान महावीर थे।
- इन चौबीस शिक्षकों को तीर्थंकर कहा जाता था। जिन्होंने जीवित रहते हुए सभी ज्ञान (मोक्ष) प्राप्त किया था और लोगों को इसका उपदेश दिया था।
- प्रथम तीर्थंकर ऋषभनाथ थे।

जैन साहित्य

- जैन साहित्य को दो प्रमुख श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है:
  - आगम साहित्य: भगवान महावीर के उपदेशों को उनके अनुयायियों द्वारा कई ग्रंथों में व्यवस्थित रूप से संकलित किया गया। इन ग्रंथों को सामूहिक रूप से जैन धर्म के पवित्र ग्रंथ आगम के रूप में जाना जाता है। आगम साहित्य भी दो समूहों में विभाजित है: अंग-आगम और अंग-बह्य-आगम।

नोट :

- गैर-आगम साहित्य: इसमें आगम साहित्य और स्वतंत्र कार्यों की व्याख्या शामिल है, जो बड़े भिक्षुओं, ननों तथा विद्वानों द्वारा संकलित है।
  - वे प्राकृत, संस्कृत, पुरानी मराठी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, तमिल, जर्मन और अंग्रेज़ी आदि कई भाषाओं में लिखी गई हैं।

मध्य प्रदेश के छह विरासत स्थल यूनेस्को की संभावित सूची में शामिल

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मध्य प्रदेश के छह विरासत स्थलों को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की अस्थायी सूची में शामिल किया गया है।

मुख्य बिंदु:

- नई सूची में शामिल स्थलों में ग्वालियर का किला, धमनार का ऐतिहासिक समूह, भोजेश्वर महादेव मंदिर, चंबल घाटी के रॉक कला स्थल, खूनी भंडारा, बुरहानपुर और रामनगर, मंडला का भगवान स्मारक शामिल हैं।
- वर्ष 2010 में भूमिगत जल संरचना खूनी भंडारा को यूनेस्को की विश्व धरोहर की सूची में शामिल करने के प्रयास शुरू किये गए।
- वर्ष 2013 में यूनेस्को की एक टीम इस संरचना को देखने आई थी। उनके द्वारा बताई गई सभी कमियों को दूर किया गया।
- अब ज़िला प्रशासन, नगर निगम प्रशासन और मध्य प्रदेश सरकार ने यहाँ सुविधाएँ मुहैया कराने के लिये कार्ययोजना तैयार की है।

खूनी भंडारा

- यह एक भूमिगत जल प्रबंधन प्रणाली है जिसमें मध्य प्रदेश के बुरहानपुर ज़िले के ऐतिहासिक शहर बुरहानपुर में निर्मित आठ वॉटरवर्क्स शामिल हैं।
- बुरहानपुर की ये मुगलकालीन जल संरचनाएँ भारत की सबसे महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक जल प्रणालियों में से एक हैं।
- बुरहानपुर में इन जल प्रणालियों का निर्माण औरंगाबाद और बीदर के मौजूदा ऐतिहासिक शहरों की तरह ही फारसी कनात दृष्टिकोण पर वर्ष 1615 में किया गया था।

ग्वालियर किला

- ग्वालियर किला मध्य प्रदेश के ग्वालियर के पास एक पहाड़ी किला है। यह किला कम-से-कम 10वीं शताब्दी से अस्तित्व में है और किले में पाए गए शिलालेखों तथा स्मारकों से संकेत मिलता है कि यह 6वीं शताब्दी की शुरुआत में अस्तित्व में रहा होगा।

नोट :

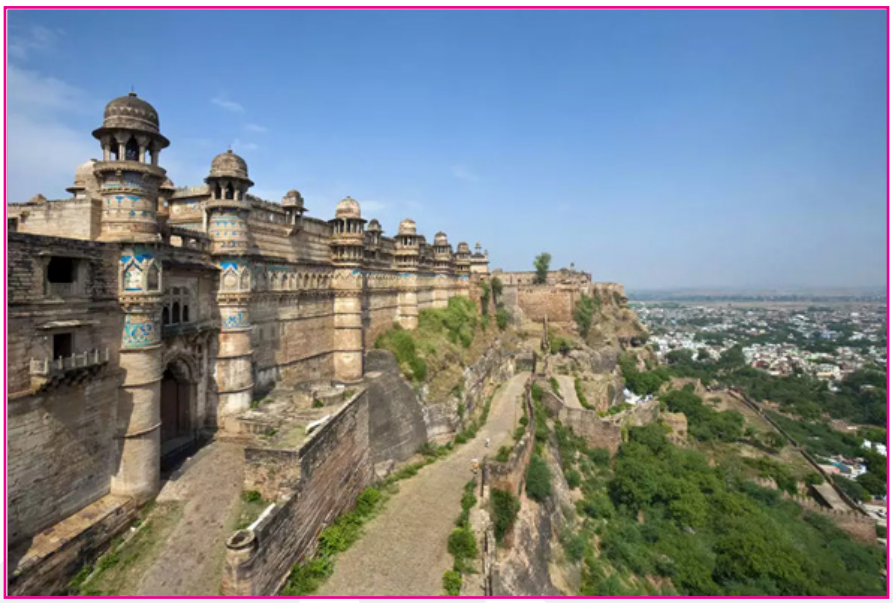

- इस पर हूणों, गुर्जर-प्रतिहारों, कच्छपघातों, तोमरों, लोदियों और मुगलों जैसे कई राजवंशों का कब्ज़ा रहा है।
- किले में कई मंदिर और संरचनाएँ हैं।

धमनार का ऐतिहासिक समूह

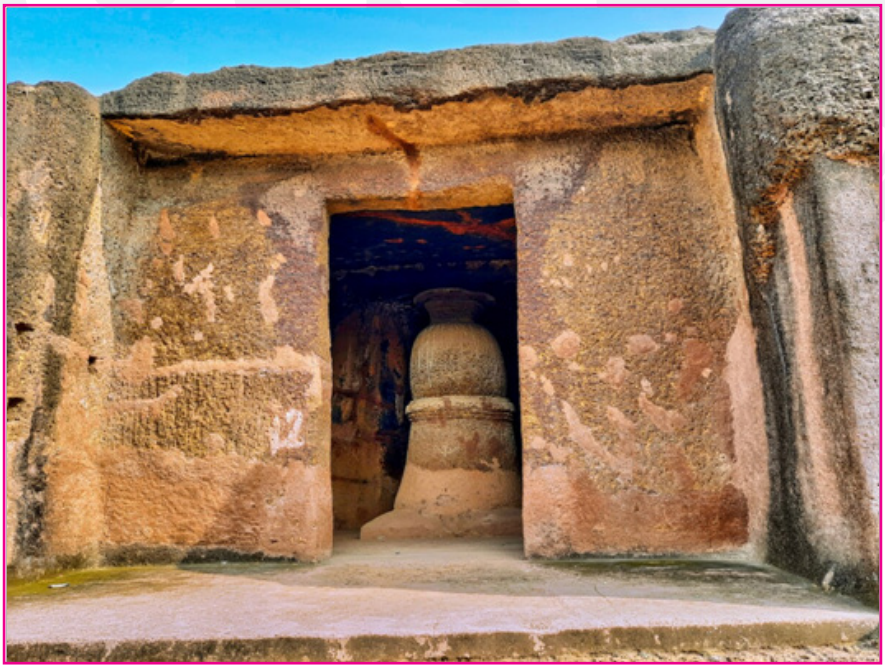

- धमनार की गुफाएँ मध्य प्रदेश के मंदसौर ज़िले के धमनार गाँव के पास एक पहाड़ी पर स्थित हैं।
- इस रॉक कट साइट में लेटराइट पहाड़ी में खुदी हुई विभिन्न आकार की कुल 51 गुफाएँ हैं।
- पहाड़ी में संरचनाओं के दो समूह हैं, बौद्ध गुफाओं की शृंखला और हिंदू मंदिर परिसर जिसे धर्मराजेश्वर मंदिर के नाम से जाना जाता है, जिसे धर्मनाथ मंदिर भी कहा जाता है।

नोट :

भोजेश्वर महादेव मंदिर

- भोजेश्वर मंदिर मध्य प्रदेश के भोजपुर गाँव में एक अधूरा हिंदू मंदिर है।
- माना जाता है कि मंदिर का निर्माण 11वीं शताब्दी में परमार राजा भोज के शासनकाल के दौरान शुरू हुआ था।
- निर्माण को अज्ञात कारणों से छोड़ दिया गया था, आस-पास की चट्टानों पर वास्तुशिल्प योजनाएँ उकेरी गई थीं।

मध्य प्रदेश में 3,500 'पिंक' बूथ स्थापित होंगे

चर्चा में क्यों ?

राज्य में लगभग 3,500 'पिंक' बूथ स्थापित किये जाने की उम्मीद है, जिनका प्रबंधन विशेष रूप से महिला सरकारी कर्मियों द्वारा किया जाएगा।

मुख्य बिंदु:

- मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव 2024 की 29 सीटों के लिये चार चरणों में 19 अप्रैल, 26 अप्रैल, 7 मई और 13 मई को मतदान होगा तथा मतों की गिनती 4 जून को होगी।
- मुख्य निर्वाचन अधिकारी (CEO) अनुपम राजन के अनुसार, राज्य में 2.90 करोड़ पुरुष, 2.74 करोड़ महिला और 1,228 तृतीय लिंग मतदाताओं सहित 5.64 करोड़ मतदाता पंजीकृत हैं।
  - इसके अलावा, 118 विदेशी मतदाता और 74,835 सेवा मतदाता (सीमाओं और अन्य स्थानों पर तैनात सेना के जवान) हैं, जिससे मध्य प्रदेश में कुल मतदाताओं की संख्या 5.65 करोड़ से अधिक हो गई है।
  - वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत 77.82% था।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी (CEO)

- लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 13A और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 20 के अनुसार,किसी राज्य/केंद्रशासित प्रदेश का मुख्य निर्वाचन अधिकारी निर्वाचन आयोग के समग्र अधीक्षण, निर्देशन एवं नियंत्रण के अधीन निर्वाचन कार्य की निगरानी के लिये अधिकृत है।
- भारत का निर्वाचन आयोग उस राज्य सरकार/केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन के परामर्श से सरकार के एक अधिकारी को मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में नामित करता है।

नोट :

ASI ने अवशेष खोजने के लिये मध्य प्रदेश में गुप्तकालीन स्थल की खुदाई की

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण भारत के सबसे पुराने मंदिरों में से एक के अवशेष खोजने और प्राचीन मंदिरों की स्थिति का अध्ययन करने हेतु मध्य प्रदेश के पन्ना ज़िले के नाचना गाँव में साइट की खुदाई कर रहा है।

मुख्य बिंदु:

- यह स्थल दो प्राचीन मंदिरों- गुप्तकालीन पार्वती मंदिर और कलचुरी राजवंश द्वारा निर्मित चौमुखी मंदिर के करीब है।
- चौमुख नाथ मंदिर परिसर में खुदाई का कार्य चल रहा है, जिसमें 8वीं सदी का चतुर्मुखी शिव लिंग है।
  - ASI के अनुसार, शिव लिंग को उल्लेखनीय उत्पादक शक्ति के साथ उकेरा गया है, विशेष रूप से इसके दक्षिण की ओर भगवान का भयंकर खुले मुख वाला चेहरा।
  - अब तक, ASI ने दो टीलों की खुदाई की है और सदियों की मिट्टी को साफ़ करने के बाद, ईंटों की परतों को अनदेखा कर दिया गया है।
- नाचना में उत्खनन का उद्देश्य यह देखना है कि भारत में प्राचीन मंदिरों की स्थिति क्या थी और मंदिरों का विकास कैसे हुआ।
- इस स्थल पर आठ पुरातात्त्विक टीले हैं और उत्खनन दल को दो टीले खोदने की अनुमति मिल गई है।

चौमुखी मंदिर

- यह मध्य प्रदेश के पन्ना ज़िले में स्थित है।
- यह 9वीं शताब्दी के कलचुरी राजवंश काल का है।
- ये मंदिर हिंदू मंदिर वास्तुकला की उत्तर भारतीय शैली का चित्रण करते हैं।

पार्वती मंदिर

- नाचना का पार्वती मंदिर गुप्त काल का है। इसका निर्माण 5वीं शताब्दी में हुआ था।
- यह मंदिर 35 फीट चौड़े छत पर बना है, यह मंदिर 15 फीट की तरफ एक छोटे वर्गाकार गर्भगृह से बना है।

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI)

- भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) संस्कृति मंत्रालय के तहत देश की सांस्कृतिक विरासत के पुरातात्त्विक अनुसंधान और संरक्षण के लिये प्रमुख संगठन है।
- यह 3650 से अधिक प्राचीन स्मारकों, पुरातात्त्विक स्थलों और राष्ट्रीय महत्त्व के अवशेषों का प्रबंधन करता है।
- इसके कार्यों में पुरातात्त्विक अवशेषों का सर्वेक्षण, पुरातात्त्विक स्थलों की खोज एवं उत्खनन, संरक्षित स्मारकों का संरक्षण और रखरखाव करना आदि शामिल हैं।
- इसकी स्थापना वर्ष 1861 में ASI के पहले महानिदेशक अलेक्जेंडर कनिंघम ने की थी। अलेक्जेंडर कनिंघम को "भारतीय पुरातत्त्व के जनक" के रूप में भी जाना जाता है।
- यह वर्ष 1958 के प्राचीन स्मारक और पुरातात्विक स्थल तथा अवशेष अधिनियम द्वारा देश के भीतर सभी पुरातात्त्विक उपक्रमों की देखरेख करता है।

नोट :

क्षिप्रा में बढ़ते प्रदूषण पर CAG की रिपोर्ट में चिंता जताई गई

चर्चा में क्यों ?

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट के अनुसार, कई राज्य सरकारी एजेंसियों के हस्तक्षेप के बावजूद, क्षिप्रा नदी प्रदूषित बनी हुई है।

मुख्य बिंदु:

- इसमें बताया गया है कि क्षिप्रा उप-बेसिन के कुप्रबंधन और भूजल के दोहन के कारण नदी का प्राकृतिक प्रवाह कम हो गया है।
- इस रिपोर्ट में कहा गया है कि स्थानीय शहरी निकायों का अपशिष्ट नदी में प्रवाहित हो रहा है।
- औद्योगिक अपशिष्ट के अपर्याप्त उपचार, नदी तल पर प्रदूषण के कारण क्षिप्रा जल और उसकी सहायक नदियों की गुणवत्ता में गिरावट आई है।
- CAG ने अपनी रिपोर्ट में सिफारिश की है कि मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को उद्योगों पर उचित और पर्याप्त निगरानी सुनिश्चित करनी चाहिये।
- लोक निर्माण विभाग की रिपोर्ट में राज्य में निर्माणाधीन पुलों के पूरा होने में देरी का उल्लेख किया गया है और कहा गया है कि अक्तूबर 2020 तथा सितंबर 2021 के बीच पाँच डिवीज़नों में जिन 72 नमूना पुलों की जाँच की गई, उनमें से केवल नौ समय पर पूरे हुए थे।

क्षिप्रा नदी

- यह मध्य प्रदेश राज्य की एक बारहमासी नदी है
- इसका उद्गम विंध्य पर्वतमाला में काकरी-टेकड़ी नामक पहाड़ी से होता है, जो धार के उत्तर में है और उज्जैन से 11 किमी. की दूरी पर स्थित है।
- यह नदी 195 किमी. लंबी है, जिसमें से 93 किमी. उज्जैन से होकर बहती है।
- यह मालवा पठार से होकर बहती हुई चम्बल नदी में मिल जाती है
- धार्मिक महत्त्व:
  - पुराणों या प्राचीन हिंदू ग्रंथों में कहा गया है कि क्षिप्रा की उत्पत्ति भगवान विष्णु के वराह अवतार के हृदय से हुई है।
  - इसके अलावा क्षिप्रा के तट पर ऋषि संदीपनि का आश्रम है, जहाँ भगवान विष्णु के आठवें अवतार कृष्ण ने अध्ययन किया था।
  - इसका उल्लेख न केवल प्राचीन हिंदू ग्रंथों में बल्कि बौद्ध और जैन ग्रंथों में भी मिलता है।
  - पवित्र शहर उज्जैन क्षिप्रा नदी के दाहिने किनारे पर स्थित है। प्रसिद्ध कुंभ मेला इस शहर के घाट पर प्रत्येक 12 वर्ष में एक बार लगता है, जो देवी क्षिप्रा नदी का वार्षिक उत्सव है।
  - इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ खान और गंभीर हैं।

मध्य प्रदेश में भारत का पहला SSLNG संयंत्र

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने मध्य प्रदेश के विजयपुर में गेल (इंडिया) लिमिटेड में भारत की पहली लघु-स्तरीय तरलीकृत प्राकृतिक गैस (SSLNG) इकाई राष्ट्र को समर्पित की।

मुख्य बिंदु:

- सरकार का लक्ष्य अपने प्राथमिक ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी को वर्तमान में 6% से थोड़ा अधिक से बढ़ाकर वर्ष 2030 तक 15% करना है।
  - ऐसा इसलिये है क्योंकि प्राकृतिक गैस कोयले और तेल जैसे पारंपरिक हाइड्रोकार्बन की तुलना में बहुत कम प्रदूषणकारी है; यह तेल से भी सस्ता है तथा भारत की 85% से अधिक आवश्यकता महँगे आयात से पूरी होती है।

नोट :

- हरित ऊर्जा और भविष्य के ईंधन की दिशा में भारत की यात्रा में प्राकृतिक गैस को एक महत्त्वपूर्ण संक्रमण ईंधन के रूप में देखा जाता है।

- हालाँकि गैस की खपत बढ़ाने में एक बड़ी चुनौती उन स्थानों पर गैस के परिवहन में है जो देश की प्राकृतिक गैस पाइपलाइन ग्रिड से नहीं जुड़े हैं।
- लघु-स्तरीय तरलीकृत प्राकृतिक गैस (SSLNG):
  - यह सामान्य बड़े पैमाने पर द्रवीकरण, पुनर्गैसीकरण एवं परिवहन बुनियादी ढाँचे और प्रक्रियाओं की तुलना में काफी छोटे पैमाने के संचालन में अपरंपरागत साधनों का उपयोग करके प्राकृतिक गैस के द्रवीकरण तथा उसके परिवहन को संदर्भित करता है।
  - SSLNG शृंखला बड़े पैमाने पर LNG आयात टर्मिनल से शुरू हो सकती है जहाँ से LNG को पाइपलाइनों के माध्यम से पुनः गैसीकृत और आपूर्ति करने के बजाय क्रायोजेनिक सड़क टैंकरों या छोटे जहाज़ों द्वारा उपभोक्ताओं तक पहुँचाया जा सकता है।
  - शृंखला प्रचुर प्राकृतिक गैस आपूर्ति या उत्पादन वाले स्थानों पर भी शुरू हो सकती है, जहाँ छोटे द्रवीकरण संयंत्र स्थापित किये जा सकते हैं।
    - विजयपुर में SSLNG इकाई, जो GAIL की सबसे बड़ी गैस प्रसंस्करण सुविधा है, दूसरे प्रकार के स्थान का एक उदाहरण है।

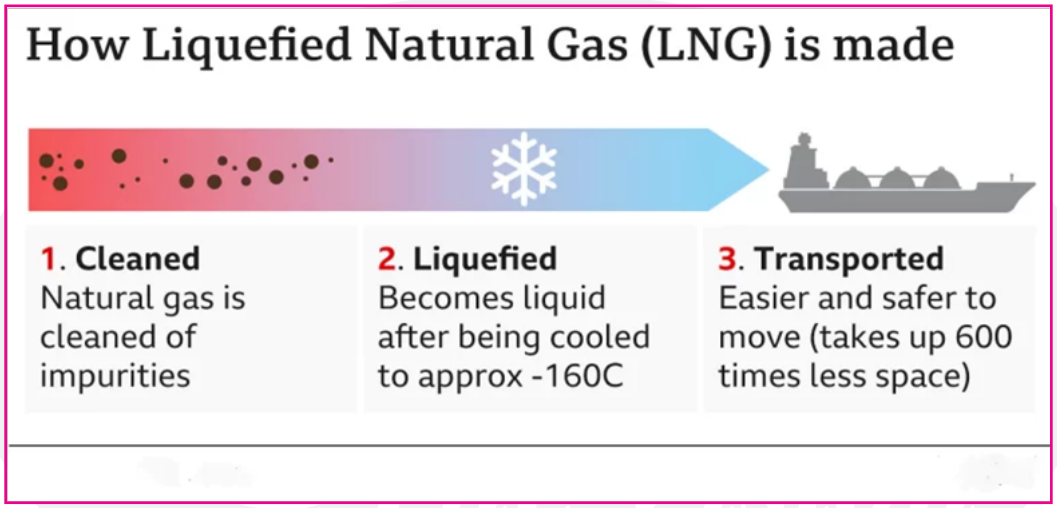

न्यायमूर्ति सत्येंद्र कुमार सिंह ने मध्य प्रदेश के नये लोकायुक्त के रूप में शपथ ली

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में न्यायमूर्ति सत्येंद्र कुमार सिंह को मध्य प्रदेश का नया लोकायुक्त (भ्रष्टाचार विरोधी लोकपाल) नियुक्त किया गया।

मुख्य बिंदु:

राजभवन में राज्यपाल मंगूभाई पटेल द्वारा आयोजित समारोह में उन्होंने शपथ ली।

लोकायुक्त

- लोकायुक्त भारतीय संसदीय ओम्बुड्समैन है, जो भारत की प्रत्येक राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है और उसके लिये कार्य करता है।
- यह एक भ्रष्टाचार विरोधी व्यवस्था है। किसी राज्य में लोकायुक्त व्यवस्था का उद्देश्य लोक सेवकों के विरुद्ध शिकायतों, आरोपों की जाँच करना है।
- लोकायुक्त व्यवस्था की उत्पत्ति स्कैंडिनेवियाई देशों में हुई थी।
- भारत में प्रशासनिक सुधार आयोग (1966-70) ने केंद्र में लोकपाल और राज्यों में लोकायुक्त के गठन की सिफारिश की थी।
- वर्ष 2013 में लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम पारित होने से पहले भारत के कई राज्यों ने 'लोकायुक्त' संस्थान बनाने के लिये कानून पारित किये।
  - महाराष्ट्र पहला राज्य था जिसने वर्ष 1971 में लोकायुक्त निकाय स्थापित किया था।

नोट :

मध्य प्रदेश में पहली बार सहकारी समितियाँ RTI के दायरे में

चर्चा में क्यों ?

एक हालिया ऐतिहासिक आदेश में, मध्य प्रदेश में अनाज खरीद और राशन दुकानों के संचालन में शामिल सभी सहकारी समितियों को तत्काल प्रभाव से सूचना का अधिकार अधिनियम (RTI), 2005 के दायरे में खरीद लिया गया है।

मुख्य बिंदु:

- राज्य सूचना आयुक्त (SIC) ने पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिये ज़िला पोर्टल पर राशन दुकान विक्रेता के वेतन का सक्रिय खुलासा करना भी अनिवार्य कर दिया है।
- इसका उद्देश्य सहकारी समितियों को RTI अधिनियम के अधीन करके किसानों और आम नागरिकों के लिये न्याय सुनिश्चित करना है।

सहकारी समितियाँ:

- परिचय:
  - सहकारी समितियाँ बाज़ार में सामूहिक सौदेबाज़ी की शक्ति का उपयोग करने के लिये लोगों द्वारा ज़मीनी स्तर पर बनाई गई संस्थाएँ हैं।
    - इसमें विभिन्न प्रकार की व्यवस्थाएँ हो सकती हैं, जैसे कि एक सामान्य लाभ प्राप्त करने के लिये सामान्य संसाधन या साझा पूंजी का उपयोग करना, जो अन्यथा किसी व्यक्तिगत निर्माता के लिये प्राप्त करना मुश्किल होगा।
  - कृषि में सहकारी डेयरी, चीनी मिलें, कताई मिलें आदि उन किसानों के एकत्रित संसाधनों (Pooled Resources) से बनाई जाती हैं जो अपनी उपज को संसाधित करना चाहते हैं।
- क्षेत्राधिकार:
  - सहकारिता, संविधान के तहत एक राज्य का विषय है जिसका अर्थ है कि वे राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं लेकिन कई समितियाँ हैं जिनके सदस्य और संचालन के क्षेत्र एक से अधिक राज्यों में फैले हुए हैं।
  - बहु-राज्य सहकारी समितियाँ (MSCS) अधिनियम, 2002 के तहत एक से अधिक राज्यों की सहकारी समितियाँ पंजीकृत हैं।
    - इनके निदेशक मंडल में उन सभी राज्यों का प्रतिनिधित्व होता है जिनमें वे कार्य करते हैं।
    - इन समितियों का प्रशासनिक और वित्तीय नियंत्रण केंद्रीय रजिस्ट्रार के पास है एवं कानून यह स्पष्ट करता है कि राज्य सरकार का कोई भी अधिकारी उन पर नियंत्रण नहीं रख सकता है।

राज्य सूचना आयोग (SIC)

- इसका गठन राज्य सरकार द्वारा किया जाता है।
- इसमें एक राज्य मुख्य सूचना आयुक्त (SCIC) और अधिकतम 10 SIC होते हैं जिनकी नियुक्ति मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली नियुक्ति समिति की सिफारिश पर राज्यपाल द्वारा की जाती है।

✦ ✦ ✦ ✦

नोट :